

Temp 15
3

RTI

शायालय माननीय राजस्व मंडल ज्वालियर म.प्र. के.एम. सागर
न्यायालय श्रीमान अतिरिक्त आयुक्त सागर संभाग, सागर

18 JAN 2001

श्रीमति मंगलता पीटन अनिल कुमार जैन
निवासी ग्राम सिंगपुर तह. खुरई जिला सागर
हाल निवासी सागर म.प्र.

R395/A/06

— आवेदिका

॥ विरुद्ध ॥

प्रमोद कुमार वर्मा हल्का चटार निवासी ग्राम सिंगपुर
तहसील खुरई जिला सागर

मध्यप्रदेश शासन । रजिस्टर्ड पोस्ट द्वारा आज
दिनांक 1/3/06 को प्राप्त अनावेदिकाण

80 pages of copy
30/06/06
सागर प्रस्तुत ।
सागर (म. प्र.)
सायालय कविरवर, सागर संभाग,
सागर (म. प्र.)

कोर्ट
राजस्व मंडल प्र. ज्वालियर
निगरानी अंतर्गत धारा 50 म.प्र. भू.रा.संहिता 1959

प्रस्तुत निगरानी न्यायालय श्रीमान अपर कलेक्टर
सागर द्वारा प्र.क्र. 59अ/19/1/97-2000 में पारित आदेश दिनांक-
14-11-2000 के विरुद्ध की गई है ।

प्रकरण के संक्षिप्त तथ्य :-

यह कि, आवेदिका के भूमिस्वामी हक की भूमि
खसरा नंबर 122/3 जिसका नया नंबर 173 हो गया है की भूमिस्वामी
आवेदिका है और इस पर केवल एक टपरा आवेदिका का बना
हुआ है इसमें अनावेदक क्र. 1 नहीं रहता है अन्य कोई मकान या टपरा
इस खेत में नहीं बना हुआ है अनुविभागीय अधिकारी ने बिना अनावेदक
क्रमांक 1 के आवेदन के होते हुये अपने मन से स्थल निरीक्षण करके सुली
जमीन पर टपरा बताकर अनावेदक क्र. 1 के नाम से पट्टा नज्जायज
तौर से कर दिया इस जांच या स्थल निरीक्षण बावत आवेदिका को का
कोई सूचना नहीं दी गई न ही उसे सुनवाई का अवसर ही दिया गया उ

38
21/1/06

B.P.R.
10 FEB 2006

3
ती

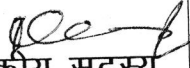
65

न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

जिला-सागर

प्रकरण क्रमांक निगरानी 395-दो/2006

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
04.02.2015 सागर कैम्प	<p>प्रकरण का अवलोकन किया गया। प्रकरण में आवेदक एवं आवेदक अधिवक्ता सूचना उपरांत दिनांक 28-10-13 से लगातार अनुपस्थित हैं। प्रकरण आवेदक अधिवक्ता की उपस्थित के लिये दिनांक 04-02-15 तक नियत होता रहा किन्तु दिनांक 28-10-13 से 04-02-15 तक न्यायहित में आवेदक अधिवक्ता की उपस्थिति का इंतजार किया जाकर न्यायहित में आवेदक को पर्याप्त समय मिलने के पश्चात् भी वे अनुपस्थित रहे हैं। वहीं सुनवाई दिनांक 04-02-2015 को तीन बार पुकार लगवाई गई, इसके पश्चात् भी कोई उपस्थित नहीं हुआ। उपरोक्त स्थिति से ऐसा प्रतीत होता है कि आवेदक को इस प्रकरण को चलाने में कोई रुचि नहीं है। प्रकरण अनावश्यक रूप से वर्ष 2006 से लंबित चला आ रहा है। ऐसी स्थिति में आवेदक को प्रकरण को चलाने में कोई रुचि न होने के कारण प्रकरण को इसी स्तर पर समाप्त किया जाता है। प्रकरण दाखिल रिकार्ड हो।</p>	<p> प्रशासकीय सदस्य</p>